आयात व निर्यात की तुलनात्मक स्थिति

2022. **श्री गया सिंह:** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अप्रैल, 1998 से दिसम्बर, 1998 तक आयात व निर्यात की स्थिति क्या था और उसका पूर्ण ब्यौरा क्या है;

(ख) अप्रैल, 1997 से दिसम्बर, 1997 तक आयात व निर्यात की स्थिति क्या था और उसका पूर्ण ब्यौरा क्या है; और

(ग) मई, 1998 में पोखरण विस्फोट के कारण लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों का आयात व निर्यात पर क्या प्रभाव पड़ा है?

वाणिज्य मंत्री (श्री रामकृष्ण हेगड़े): (क) और (ख) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएण्डएस) से प्राप्त अनन्तिम आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-दिसम्बर, 1997-98 और 1998-99 की अवधि के लिए आयातों और निर्यातों का मूल्य निम्नानुसार है:—

(मिलियन अमरीकी डालर)

वर्ष	निर्यात	आयात	व्यापार घाटा
अप्रैल-दिस॰ 97-98	29485	25006	4478
अप्रैल-दिस॰ 98-99	31583	24287	7296

(ग) सरकार द्वारा भारत के खिलाफ घोषित किये गए प्रतिबंधों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और उनके संभावित प्रभाव का लगातार मूल्यांकन किया जा रहा है। यद्यपि इन उपायों के प्रभाव की वास्तविक मात्रा का पता लगाना कठिन हो सकता है, तथापि अब तक यह प्रभाव नगण्य रहा है। उक्त प्रतिबंधों से उत्पन्न होने वाले किसी दबाव को सहन करने के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था के मूलभूत सिद्धान्त पर्याप्त मजबूत हैं। प्रतिबंधों में ढील दिये जाने के संकेत पहले से ही देखे जा सकते हैं।

चाय का निर्यात

2023. **प्रो॰ रामबक्ष सिंह वर्मा:**
श्रीमती मालती शर्मा:

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान विदेशों को कितनी चाय का निर्यात किया गया और उसका वर्ष-वार ब्यौरा क्या है,

(ख) इस अवधि के दौरान कुल कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गई;

(ग) क्या यह सच है कि चाय-निर्यात में कमी आ रही है;

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) चाय के निर्यात में वृद्धि करने हेतु क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

वाणिज्य मंत्री (श्री रामकृष्ण हेगड़े): (क) और (ख) विगत तीन वर्षों के दौरान भारत से चाय का निर्यात इस प्रकार रहा है:—

वर्ष	मात्रा (मि॰कि॰ ग्रा॰)	किरोड़ रु॰)	मूल्य (अम॰मि॰ डालर)
1995-96	167.47	1244.52	372.08
1996-97	169.04	1301.46	366.62
1997-98	211.76	1953.91	525.74

(ग) और (घ) जी, नहीं। पिछले साल के मुकाबले वर्ष 1997-98 के दौरान हुए चाय के निर्यात में, मात्रा और मूल्य, दोनों रूपों में, वृद्धि दर्ज की गई है।

(ङ) संभावित क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए, सरकार तथा चाय बोर्ड, चाय के देश-वार निर्यातों का विश्लेषण कर रहे हैं। चाय बोर्ड, अलग-अलग बाजारों को होने वाले निर्यातों में आने वाली अड़चनों, जब कभी इनका पता चलता है, को दूर करने का कार्य भी करता है।

भारतीय चाय के निर्यात को बढ़ाने के लिए उठाये गए अन्य कदमों में शामिल हैं:— (i) विदेशों में मुख्य व्यापार मेलों/प्रदर्शनियों में भागीदारी; (ii) भारतीय चाय की विशेषता के बारे में उपभोक्ताओं के बीच जागरुकता को बढ़ाने के लिए मीडिया अभियान तथा